भारत सरकार **राज्य सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 2177**

दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

दलहन और तिलहन का आयात

2177. श्री एन॰ बालगंगाः क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार दलहन और तिलहन के आयात को प्रोत्साहित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत वर्ष के दौरान दलहन और तिलहन के आयात के लिए सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों द्वारा किए गए करारों का सरकारी क्षेत्र उपक्रम–वार ब्यौरा क्या है;

(घ) विभिन्न दलहन और तिलहन की उतराई लागत का सरकारी क्षेत्र उपक्रम–वार ब्यौरा क्या है; और

(ड.) किन–किन देशों से इनका आयात किया गया?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) से (ग) : दालों और तिलहन संबंधी आयात नीति प्रणाली (बीज की गुणवत्ता को छोड़कर) "मुक्त" है । वर्ष 2011-12 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा 292650 मिट्रिक टन दालों के आयात की संविदा की गई थी । सार्वजनिक क्षेत्र के किसी भी उपक्रम द्वारा तिलहन के आयात की कोई संविदा नहीं की गई थी । दालों के संबंध में पीएसयू-वार ब्यौरा नीचे तालिका में दर्शाया गया है :-

वर्ष 2011-12 के दौरान पीएसयू द्वारा आयात हेतु संविदाकृत दालों की मात्रा

पीएसयू का नाम	**दालें (मात्रा मी. टन में)**
एसटीसी	98490
एमएमटीसी	11000
पीईसी	183160
कुल	**292650**

(घ) और (ड.) : निर्यात के देश, समयावधि और भारत में आयात के पत्तन के आधार पर हर खेप के लिए अवतरण लागत अलग-अलग होती है । ऐसे आयातों के प्रमुख स्रोत ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, फ्रांस, तंजानिया, म्यांमार और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं ।